कृषि विभाग– पौधा संरक्षण
पौधा संरक्षण सामयिक सूचना
'' विशेष अंक''

अंक– 15 / 2014–15

सैनिक कीट का प्रकोप एवं प्रबंधन

मुजफ्फरपुर जिला के बन्दरा प्रखण्ड के मुन्नी बैंगरी एवं हत्था पंचायत, दरभंगा जिला के हनुमाननगर प्रखण्ड के पटोरी, डीलाही एवं गोढ़ैला पंचायत, समस्तीपुर जिला के कल्याणपुर सहित कुछ अन्य आस–पास के क्षेत्र में गेहूँ, मक्का, ईख आदि फसलों पर सैनिक कीट (आर्मी वर्म) का प्रकोप हो गया है तथा कहीं– कहीं आर्थिक क्षति स्तर (E.T.L) को भी पार कर गया है। यह बड़ी तेजी से फसलों के हरा भाग को खा कर क्षति करता है। यहाँ तक कि खर–पतवार को भी खा जाता है।

यह कीट दिन में मिट्टी के ढ़ेलों, पुआल– खर–पात के ढ़ेरों में छिप जाता है और रात भर फसलों को खाता रहता है। प्रभावित खेत / फसल में इसकी संख्या काफी देखी जा सकती है। इस कीट की प्रवृति बड़ी तेजी से खाने की होती है और काफी कम समय में पूरे खेत की फसल को खा कर प्रभावित कर सकता है। अतः इस कीट का प्रबंधन / नियंत्रण आवश्यक है।

(1) आर्मी वर्म (सैनिक कीट) एक साथ समूह में फसल पर आक्रमण करता हैं एवं मूलतः रात में फसलों की पत्तियों या अन्य हरे भाग को किनारे से काटता है, तथा दिन में यह खेत में स्थित दरार या ढ़ेला के नीचे या घने फसल के छाये में छिपा रहता है।

(2) जिन क्षेत्रों में सैनिक कीट की संख्या अधिक है उन क्षेत्रों में निम्नांकित किसी एक कीटनाशी का छिड़काव तत्काल किया जाय। (i) क्लोरपाइरीफॉस 20% EC 2.5 ml प्रति लीटर पानी (ii) प्रोफेनोफॉस 40% + साइपरमेथ्रीन 4% EC, 1.5 ml प्रति लीटर पानी (iii) क्लोरपाइरीफॉस 50% + साइपर मेथ्रीन 5% EC, 1.5 ml प्रति लीटर पानी (iv) लेम्डासाइलो हेलेथ्रीन 5% EC, 1 ml प्रति लीटर पानी (v) डायक्लोरभॉस 76% EC, 1 ml प्रति 2 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

(3) जिन क्षेत्रों में इसकी संख्या कम हो उन क्षेत्रों में कृषक बन्धु अपने– अपने खेत के मेड़ पर एवं खेत के बीच में जगह– जगह पुआल का छोटा– छोटा ढेर लगा कर रखें। धूप में आर्मी वर्म (सैनिक कीट) छाया की खोज में इन पुआल के ढेर में छिप जाता है। शाम को इन पुआल को इक्कठा करते हुए जला देना चाहिए।

(4) जगह– जगह अग्रेजी के टी (**T**) आकार का बर्ड पर्चर लगाना चाहिए, ताकि पक्षी इस पर बैठकर इसके पिल्लूओं को खा सके।

(5) छिड़काव कार्य प्रातः काल या देर संध्या समय करना चाहिए। खेत के चारो ओर पहले छिड़काव करते हुए पूरे खेत में छिड़काव करना चाहिए।

(6) जो फसल बढ़वार अवस्था में है, उस खेत में सिंचाई करके भी इस कीट का प्रबंधन किया जा सकता है क्योंकि इस कीट के पिल्लू जमीन पर रेंगते हुए ही एक खेत से दूसरे खेत की ओर बढ़ते हैं। सिंचाई के पानी के साथ क्लोरपायरीफॉस 20%EC मिलाया जाना श्रेयष्कर होगा।

विशेष जानकारी एवं सुविधा के लिए नजदीक के पौधा संरक्षण केन्द्र / सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण / जिला कृषि कार्यालय अथवा कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों से सम्पर्क करें।

संयुक्त निदेशक, पौधा संरक्षण,
बिहार, पटना।

ज्ञाप संख्या– 19–4 / पौ0सं0सर्वे0 / 13–14– / कृ0,पटना, दिनांक– मार्च, 2015 ।

प्रतिलिपिः– केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी (सभी) / केन्द्र निदेशक, दूरदर्शन केन्द्र, पटना की सेवा में प्रेषित करते हुए आग्रह है कि कृपया जनहित में उपर्युक्त सूचनाओं को कृषि कार्यक्रमों में प्रसारित करने की कृपा की जाय।

प्रतिलिपिः– सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण (सभी) / सर्वेलेन्स पदाधिकारी पटना / सर्वेलेन्स शाखा मुख्यालय, पटना / किसान कॉल सेन्टर, पटना / जिला कृषि पदाधिकारी (सभी) / उप / सहायक निदेशक, पौ0 सं0, (सभी) / उप कृषि निदेशक, सूचना, बिहार, पटना / संयुक्त निदेशक (शष्य) सभी की सेवा में सूचनार्थ प्रेषित। आपसे आग्रह है कि किसानों के हित में उक्त सूचनाओं को प्रचारित–प्रसारित करने की कृपा की जाय।

प्रतिलिपिः– प्राचार्य, प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, मुशहरी, मुजफ्फरपुर, पटना, भोजपुर एंव पूर्णियाँ / वरीय वैज्ञानिक कीट / रोग, कृषि अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्र कृषि विश्वविधालय, मीठापुर पटना / कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र (सभी) / निदेशक, प्रसार शिक्षा रा0 कृ0 वि0 वि0, पूसा समस्तीपुर / बिहार कृषि विश्वविधालय, सबौर, भागलपुर की सेवा में समर्पित करते हुए अनुरोध है कि अपने अनुभवों के आधार पर अपना बहुमूल्य सुझाव देने की कृपा करेंगे।

प्रतिलिपिः– पौधा संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार / निदेशक, आई0 पी0 एम0, भारत सरकार, पौधा संरक्षण संगरोध एवं संचयन निदेशालय, एन0 एच0–4 फरीदाबाद (हरियाणा) की सेवा में सादर सूचनार्थ समर्पित।

प्रतिलिपिः– कृषि निदेशक, बिहार, पटना / प्रधान सचिव, कृषि विभाग, बिहार, पटना / कृषि उत्पादन आयुक्त, बिहार, पटना / विकास आयुक्त, बिहार, पटना की सेवा में सादर सूचनार्थ समर्पित।

संयुक्त निदेशक, पौधा संरक्षण
बिहार, पटना।

जैविक अपनायें, स्वच्छ उपजायें।
स्वच्छ खायें, स्वस्थ रहें ।।